B.A.5TH Semester (General) Examination, 2020 (CBCS)
Subject: Hindi
Paper: DSE – 1 A
(समकालीन कविता अथवा हिन्दी नाटक एवं एकांकी)

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

निर्देश: खण्ड 'क' अथवा खण्ड 'ख' में से किसी एक खण्ड का उत्तर लिखिए ।

खंड- क -

(समकालीन कविता)

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **छह** की ससदंर्भ व्याख्या कीजिए : 6 × 5 = 30

(क) " एक आदमी/ रोटी बेलता है/ एक आदमी रोटी खाता है/ एक तीसरा आदमी भी है/ जो न रोटी बेलता है, न रोटी खाता है/ वह सिर्फ़ रोटी से खेलता है/ मैं पूछता हूँ -/ 'यह तीसरा आदमी कौन है?'/ मेरे देश की संसद मौन है"।

ख) "क्या जीवन इसी तरह बीतेगा/ शब्दों से शब्दों तक/ जीने / और जीने और जीने और जीने के / लगातार द्वन्द में?"|

ग) " उन्हें हमेशा जल्दी रहती है/ उनके पेट में चूहे कूदते हैं/ और खून में दौड़ती है गिलहरी !/ बड़े-बड़े डग भरते चलते हैं वे तो / उनका ढीला-ढाला कुर्ता/ तन जाता है फूलकर उनके पीछे/ जैसे कि हो पाल कश्ती का !"

घ) " सिंहासन पर बैठा, उनके/ तमगे कौन लगाता है/ कौन-कौन है वह जन-गण-मन/ अधिनायक वह महाबली डरा हुआ मन बेमन जिसका / बाजा रोज बजाता है"।

(ङ) "होंय कँटीली/ आँखें गीली/ लकड़ी सीली, तबीयत ढीली/ घर की सबसे बड़ी पतीली/ भरकर भात पसाइए"।

(च) "तुम आयीं/ जैसे छीमियों में धीरे-धीरे/ आता है रस/ जैसे चलते-चलते एड़ी में / काँटा जाए धँस"।

(छ) निम्नलिखित पुस्तकों के लेखकों के नाम लिखिए –

(i) समकालीन कविता (ii) समकालीन कविता की प्रवृतियाँ (iii) समकालीन कविता का यथार्थ

(iv) साहित्य और समकालीनता (v) समकालीन कविता और कुलीनतावाद ।

(ज) धूमिल की काव्य-शैली पर प्रकाश डालिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 3 × 10 = 30

(क) समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों पर विचार कीजिए।

(ख) केदारनाथ सिंह की कविताओं में व्यक्त प्रकृति और प्रेम के रूपों का विवेचन कीजिए।

(ग) 'रोटी और संसद' कविता के माध्यम से कवि किस सत्य की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट करना

चाहता है? स्पष्ट कीजिए।

(घ) रघुवीर सहाय की भाषा-शैली पर विचार कीजिए।

(ङ) 'स्त्रियाँ' कविता में निहित यथार्थ का चित्रण प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

(हिन्दी नाटक एवं एकांकी)

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **छह** की ससदंर्भ व्याख्या कीजिए - 6 × 5 = 30

(क) 'तो जाने दो, छिपी हुई बातों से मैं घबरा उठी हूँ। हाँ, मैंने उन्हें देखा था, वह निरभ्र प्राची का बाल-अरुण ! आह ! राज-चक्र सबको पीसता है, पिसने दो, हम निस्सहायों को और दुर्बलों को पिसने दो।'

(ख) 'मैं अपनी ओर से कोई कसर न उठा रखूँगा, डाक्टर साहब ! सुरेन्द्र देखो तुम मेरे पास रहना। जाना नहीं, यह घर इस बच्चे के लिए वीराना है। ये लोग इसकी जिन्दगी नहीं चाहते। बड़ा रिश्ता पाने के रास्ते में इसे रोड़ा समझते हैं।'

(ग) 'मैं तो किसी तरह अपने विचार प्रकट कर लेता हूँ। बस, यही मुझे आता है'।

(घ) हिन्दी एकांकी के तत्वों के नाम लिखिए।

(ङ) 'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी के आधार पर रोशन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(च) नाटक एवं एकांकी में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(छ) निम्नलिखित पुस्तकों के लेखकों के नाम लिखिए –

(i) प्रसाद के नाटक: स्वरूप और संरचना (ii) हिन्दी नाटक (iii) हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास

(iv) हिन्दी नाटक: आत्म संघर्ष (v) रंग दर्शन ।

(ज) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के आधार पर ध्रुवस्वामिनी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 3 × 10 = 30

(क) हिन्दी नाटक के विकास का विश्लेषण कीजिए।

(ख) हिन्दी एकांकी के विकास क्रम पर प्रकाश डालिए।

(ग) रंगमंच की दृष्टि से 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के प्रतिपाद्‌य का मूल्यांकन कीजिए।

(घ) " 'लक्ष्मी का स्वागत' सामाजिक विद्रूपताओं पर चोट करने वाली एक सशक्त रचना है" - उक्त कथन के आधार पर इसकी समीक्षा कीजिए।

(ङ) एकांकी कला की दृष्टि से 'रेशमी टाई' की समीक्षा कीजिए।